**भारत सरकार**
**पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय**
**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 452**
**बुधवार, 27 नवम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए**

## मौसम मिशन के अंतर्गत मौसम राडार

452. श्री मनोज तिवारी :
श्री बसवराज बोम्मई:
श्री शंकर लालवानी:
श्री तेजस्वी सूर्या:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने मिशन मौसम के अंतर्गत पूर्वानुमान प्रणाली की सटीकता में वृद्धि लाने के लिए देश में मौसम राडारों की संख्या में वृद्धि करने हेतु उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या वर्तमान प्रणाली में विश्व में उपलब्ध नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग किया गया है और यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या मौसम राडार की वर्तमान प्रणाली किसी क्षेत्र विशेष में उच्च से बहुत उच्च वर्षा का प्रभावी पूर्वानुमान लगा लेता है ताकि प्राकृतिक आपदा संबंधी चेतावनी दी जा सके और उससे बचा जा सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत एक वर्ष में जारी की गई ऐसी चेतावनियों की सूची क्या है?

**उत्तर**
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। हाल ही में शुरू किए गए मिशन मौसम का उद्देश्य पूर्ण रेडार कवरेज और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली की सटीकता को बढ़ाने के लिए पूरे देश में 87 डॉपलर मौसम रडार (डीडब्ल्यूआर) स्थापित करना है। 34 डीडब्ल्यूआर के लिए आपूर्ति आदेश पहले ही दिया जा चुका है तथा इसके अलावा, व्यय वित्त समिति (ईएफसी) ने 53 और डीडब्ल्यूआर की खरीद के लिए अनुमोदन दे दिया है।

(ख) जी हां। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पास एक उच्च स्तरीय डीडब्ल्यूआर नेटवर्क है, जो द्विध्रुवीकरण, सॉलिड-स्टेट पावर एम्पलीफायर (एसएसपीए) आदि जैसी विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकियों का उपयोग करता है।

(ग) जी हां। सतह-आधारित प्रेक्षण और डीडब्ल्यूआर नेटवर्क किसी स्थान पर अधिक से बहुत अधिक वर्षा की निगरानी करते हैं। डीडब्ल्यूआर प्रेक्षण हर दस मिनट में मेघ चित्रों और रडार रेंज के तहत क्षेत्र में हवाओं की गति के रूप में उपलब्ध होते हैं। इससे 1 घंटे तक की बहुत कम अवधि में संबंधित भारी वर्षा गतिविधियों की निगरानी और तात्कालिक अनुमान जारी करने में मदद मिलती है। डीडब्ल्यूआर नेटवर्क वर्षा का पूर्वानुमान या प्रागनुमान प्रदान नहीं करेगा।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) डीडब्ल्यूआर, स्वस्थाने प्रेक्षणों और मॉडलों का उपयोग करके जनता और आपदा प्रबंधन अधिकारियों के लिए अत्यधिक वर्षा सहित चरम मौसम की घटनाओं के लिए तैयार रहने के लिए विभिन्न आउटलुक/पूर्वानुमान/चेतावनियां जारी करता है। चेतावनी जारी करते समय, संभावित प्रतिकूल मौसम के प्रभाव को दर्शाने और आसन्न आपदा मौसम की घटना के संबंध में की जाने वाली कार्रवाई के बारे में आपदा प्रबंधन को संकेत देने के लिए एक उपयुक्त रंग कोड का उपयोग किया जाता है। आईएमडी पूरे वर्ष अधिक से बहुत अधिक वर्षा सहित तैयारियों के लिए आवश्यक चेतावनियाँ और परामर्शिकाएं पहले ही जारी कर देता है।

*****